संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -286 शनिवार,17 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8+8 मूल्य 4 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार 36 घंटे भी नहीं दिए और आशियाना उजाड़ दिए...पर इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का सैंतालीसवां दिन

» छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार क्या गैर संवेदनशील सरकार है... ?

» सरकार को कमियां ना दिखाएं तो क्या दिखाएं... ?

» क्या विष्णुदेव साय सरकार बेहतर चल रही है...सिर्फ यह बात आईएएस लॉबी को पता है...आम जनता को नहीं है जानकारी... ?

» किसी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी वह करता है मंत्री के घर मनमर्जी,दिव्यांग मांग रहे अधिकार क्या उन्हे दोगे न्याय प्रदेश के कर्णधार ?

» क्या फर्जी दिव्यांग और फर्जी डिग्री के आधार पर जो कर रहे नौकरी उन्हे होगी जेल...उन्हें मिल सकेगा संकल्प पत्र अनुसार दण्ड... ?

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...
जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रेमन डेका से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...गृहमंत्री जी,भारत सरकार
क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...प्रशासनिक अत्याचार झेलने के बावजूद है जारी।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

यह कैसी स्वतंत्रता...जब सच लिखकर अपना ही घर कार्यालय तुड़वाना पड़े... ?

मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...पर छप रही कमियों से छुपकर... अखबार के प्रतिष्ठान को जमीदोज करा दिया...फिर उन्हें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण का मुख्य अतिथि बनाया गया है... ?

-रवि सिंह-

अंबिकापुर,16 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। भारत को आजाद हुए 77 वर्ष हो गए...हम क्या...पूरा देश इस बात को मानता है...कि हमारे देश में जितनी स्वतंत्रता है...उतनी कहीं नहीं है...लेकिन आज के समय व परिवेश में यदि स्वतंत्रता की बात की जाए अभिव्यक्ति की आजादी की बात की जाए तो क्या...जितनी स्वतंत्रता एक व्यक्ति को आजादी के पूर्व में थी...क्या आज उतनी है...या उससे ज्यादा है...? क्या पत्रकारिता को इतनी आजादी है जो पूर्व में थी। आज यह सब सवाल इसलिए उत्पन्न होते हैं क्योंकि ऐसे कई उदाहरण है जो प्रेस की स्वतंत्रता व्यक्तिगत स्वतंत्रता व अभिव्यक्ति की आजादी पर यह सवाल उठाते हैं कि क्या आज सही मायने में स्वतंत्रता है...लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी यदि पत्रकारिता की व्यवस्था की बात की जाए तो आज के समय में चाटुकारता ही स्वतंत्रता है... सच्चाई की स्वतंत्रता पर प्राणघातक हमला है। यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि देश की आजादी में अहम भूमिका निभाने वाले लोकतंत्र के चौथे स्तंभ जिसे पत्रकारिता कहा जाता है वह काफी मुश्किल दौर से गुजर रहा है। हाल ही में छत्तीसगढ़ की नई नवेली सरकार ने सच लिखने वाले एक दैनिक अखबार घटती-घटना के संस्थान को इसलिए बुलडोजर चलाकर नेस्तनाबूत कर दिया क्योंकि वह सच के साथ सरकार को व उनके लोगों को कमियां दिखा रहा था जो बर्दाश्त नहीं कर पाए,सत्ताधारी लोग और नेस्तनाबूत करने के लिए मैदान में उतर गए फिर यह सवाल आता है कि क्या देशभक्ति 15 अगस्त व 26 जनवरी को ही दिखती है उसके बाद जो चाहे वह करो

क्या ऐसी ही स्थिति हमारे देश में उत्पन्न हो रही है? 15 अगस्त 26 जनवरी को राष्ट्रीय कार्यक्रम के तौर पर देखा जाता है नेता मुख्य अतिथि बन कर बड़े-बड़े भाषण व वादे करते हैं...पर क्या उस बड़े-बड़े भाषण में बोले गए शब्दों को दोबारा याद करते हैं या फिर भूल कर कुचलने का प्रयास करते हैं...? छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात की थी इस मंत्री ने अपनी छप रही कमियों से छुपकर एक अखबार के प्रतिष्ठान को जमींदोज करा दिया। एक बार फिर उन्हें स्वतंत्रता दिवस का ध्वजारोहण का मुख्य अतिथि बनाया गया है अब वहां पर जाकर वह देश को क्या जवाब देंगे यह भी उनके मन में होना चाहिए...क्या उनके मन में इस बात का मलाल है कि उन्होंने गलत किया...या फिर वह सत्ता के घमंड में रावण बन बैठे...?

वैसे स्वास्थ्य विभाग को आज वह व्यापारिक केंद्र परिवारिक केंद्र बना रहे हैं जहां अब निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं की बोली लगने की स्थिति है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को लेकर बोली लग ही रही है। भ्रष्टतम लोग जिन्हें पूर्व की सरकार ने भ्रष्टाचार की वजह से स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से पृथक कर दिया था, उन्हे मंत्री जी पुनः जिम्मेदारी प्रदान कर रहे हैं जिससे उनके भ्रष्टाचार के अनुभवों का वह फायदा उठा सकें जैसे उदाहरण बतौर अपने ही गृह जिले के बगल के जिले में जो उनका प्रभार जिला भी है में उन्होंने पूर्व सरकार के कार्यकाल के सबसे भ्रष्ट कार्यकाल वाले व्यक्ति को स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान कर दी है वहीं अपने जिले के बगल के जिले में उन्होंने जिला चिकित्सालय में परिवार रिश्तेदार को सिविल सर्जन बना दिया है जिसके ऊपर कई आरोप भी हैं वहीं वह विशेषज्ञ चिकित्सकों से भी कनिष्ठ है साथ ही केवल चिकित्सा अधिकारी है। अब यह भी पता चल रहा है की कोरिया जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी का भी पद सेटिंग से नए व्यक्ति को दिया जाना तय हो चुका है जो शायद चिकित्सक भी नही है जिसे यह पद मिल सकता है।। दिला जाए तो भ्रष्टाचार के लिए हर संभव प्रयास स्वास्थ्य विभाग में जारी है वहीं इसको लेकर खबर बनाने वाले के लिए बुलडोजर तैयार है। हाल ही में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को नई जिम्मेदारी दिए जाने की भी बात सामने आई है जो जिम्मेदारी एनजीओ के पास थी उसे लेकर उसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को दिए जाने की बात तय हुई है और बताया जा रहा है कि यह इसलिए किया जा रहा है क्योंकि यह मंत्री जी के भतीजे का सुझाव है मंत्री जी को जो फर्जी डिग्री के आधार पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में ही सविदा अधिकारी है जो कोरोना काल में जब लोग काल-कलवित हो रहे थे तब उनके स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर अपना घर परिवार मजबूर कर रहा था और लोगों को जीवन बचाने के नाम पर मिलने वाली निःशुल्क सुविधा से अपने घर के बाल बच्चों के लिए सुविधा जुटा रहा था और अब उसी ने यह सुझाव दे डाला है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को खुला छूट दिया जाए जिससे वह भ्रष्टाचार को बढ़ा सके और फिर खुद के बाल बच्चों सहित अन्य के लिए भी संसाधन भ्रष्ट व्यवस्था से जुटा सके जो ऐसे लोगों का हक मारकर मिल सकेगा जो जरूरत मंद हैं मजबूर हैं। इतनी स्वतंत्रता ही मिली है आम लोगों को की वह देख सुन सकें और अपने हिस्से की सुविधाएं बंदरबाट होते वह देखते रहें।

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का सैंतालीसवां दिन

?

कलम बंद...का सैंतालीसवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकाशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 16 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आप ही तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है... संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,16 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

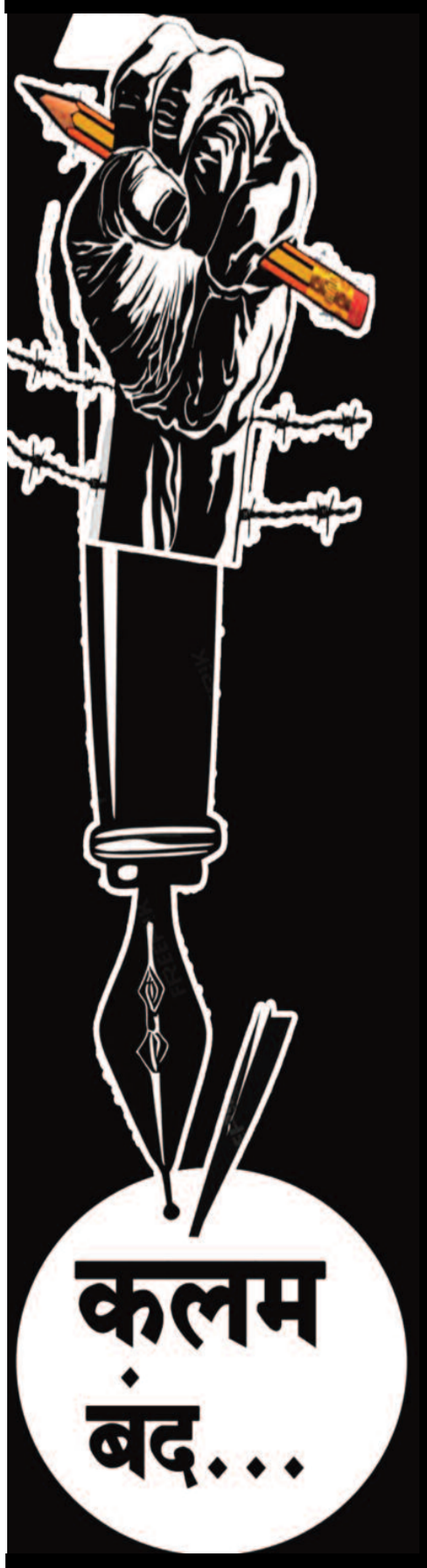

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,16 अगस्त 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

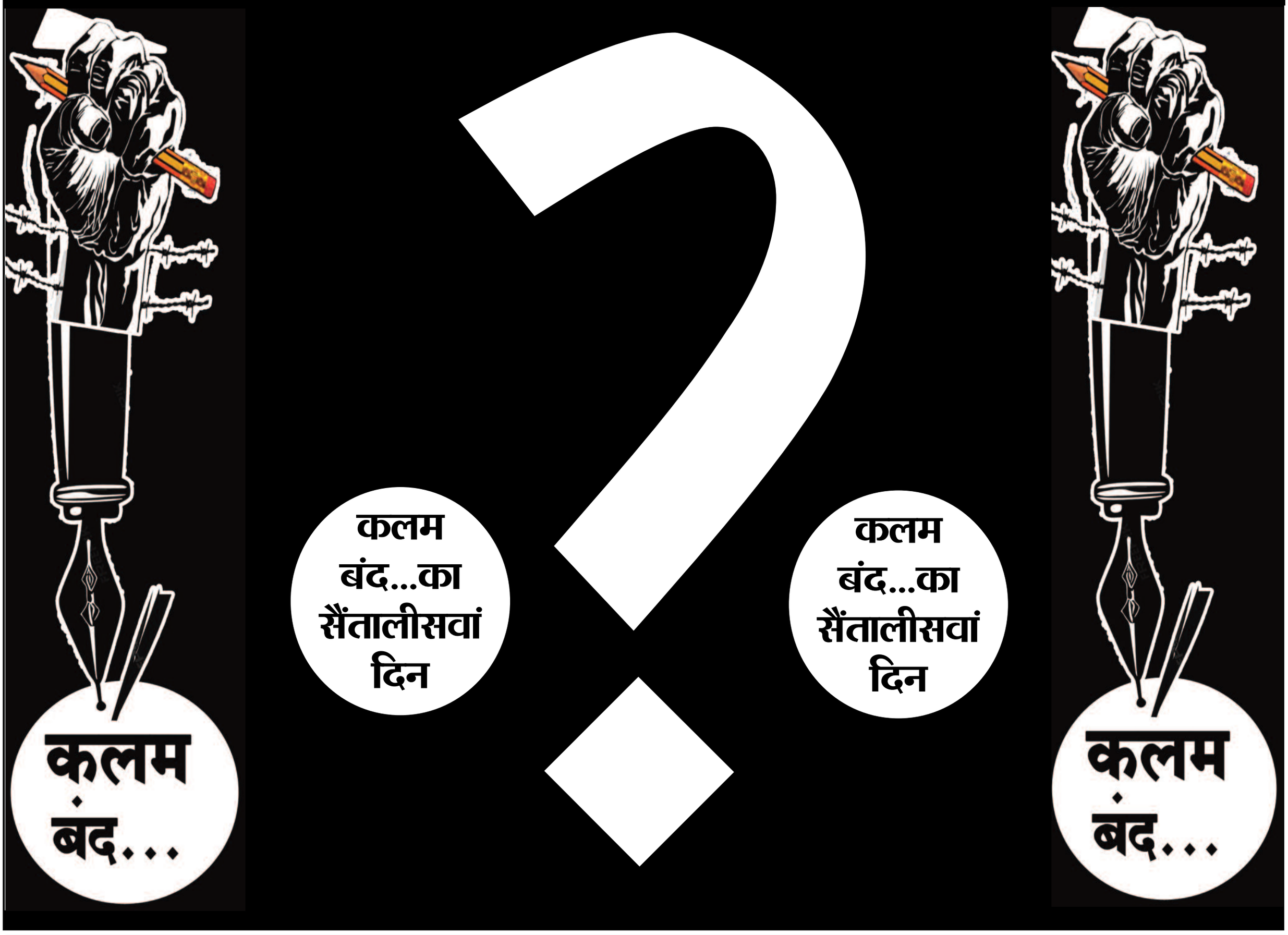

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 16 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

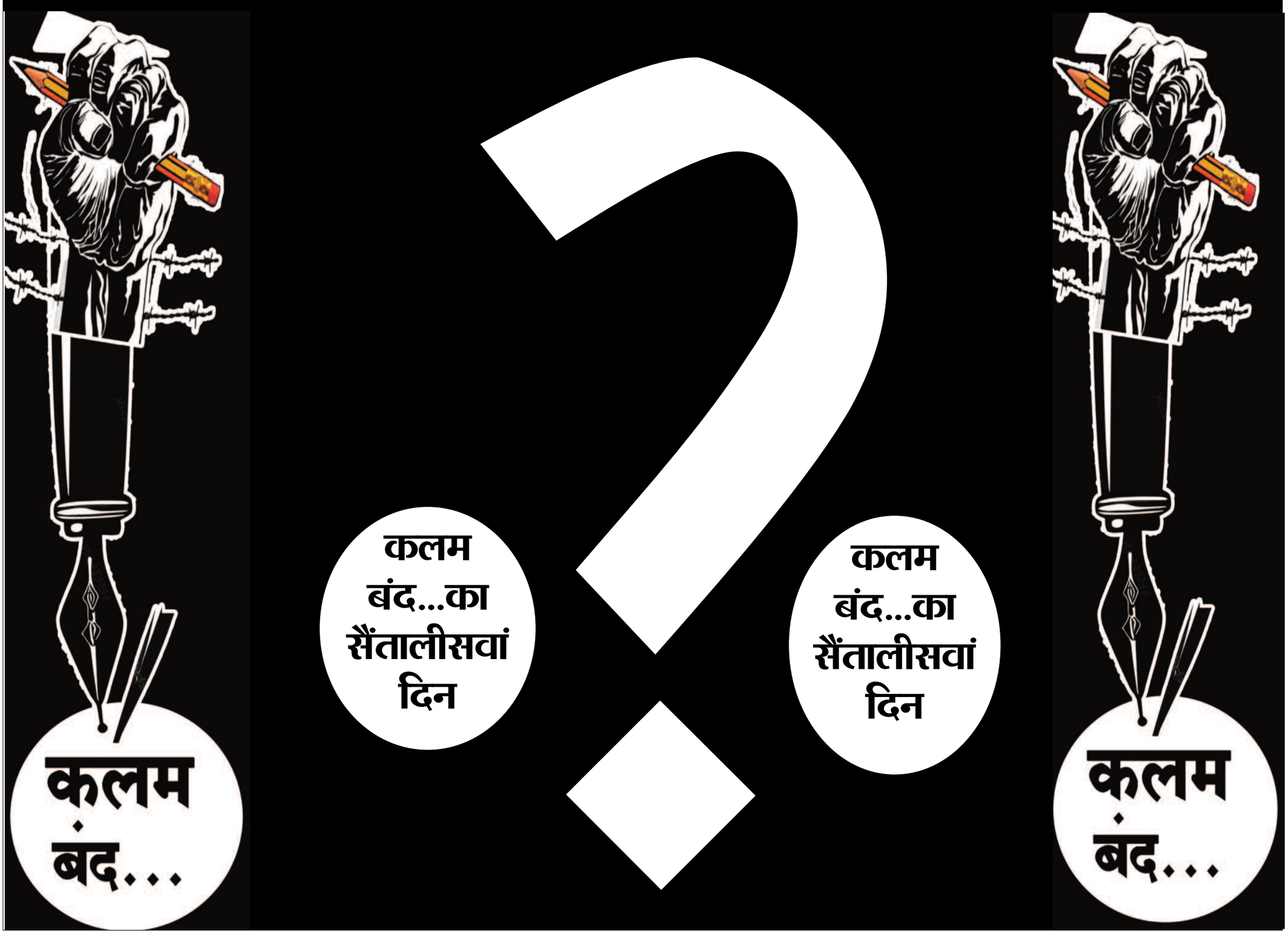

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

ऑक्शन की तारीख का हुआ ऐलान

» इस दिन लगेगी खिलाड़ियों पर बोली

नई दिल्ली,16 अगस्त 2024। आईपीएल 2025 का सीजन अभी दूर है। इसके लिए इस साल के दिसंबर में ऑक्शन होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस बीच आईपीएल की ही तर्ज पर शुरू हुई एसए 20 लीग के ऑक्शन की तारीख का ऐलान कर दिया गया है। इसमें भी आईपीएल फ्रेंचाइजियों की ही टीमें हिस्सा लेती हैं और उनके नाम भी इंडियन प्रीमियर लीग से मिलते जुलते हैं। एसए 20 का इस बार तीसरा सीजन खेला जाएगा। इसके लिए तैयारी शुरू हो चुकी है।

एक अक्टूबर को होगी एसए 20 के लिए प्लेयर्स की नीलामी

एसए 20 का अगला सीजन 9 जनवरी से शुरू होना है। इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी एक अक्टूबर को होगी। एसए20 के कमिश्नर और साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने इस बात का ऐलान किया है। पिछले दो सीजन में ही एसए20 लीग काफी मशहूर हो चुकी है और इसमें भी दुनियाभर के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। इससे पहले ही सभी टीमों ने अपने अपने रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर दी है। बाकी जो स्पॉट खाली हैं, उन्हें भरने का काम टीमें ऑक्शन के दौरान करती हुई दिखाई देंगी। जहां तक अगले सीजन के खेले जाने की बात है तो ये 9 जनवरी से शुरू होकर 8 फरवरी तक चलेगा। अब तक दोनों बार की चैंपियन एडन मारक्रम की कप्तानी वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप रही है, जिसका मालिकाना हक आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद के पास है।

एसए 20 से पहले सभी टीमों के खिलाड़ी

डरबन के सुपर जायंट्स: ब्रैंडन किंग, क्विंटन डी कॉक, नवीन उल हक, केन विलियमसन, क्रिस वोक्स, प्रेनेलन सुब्रायन, ड्वेन प्रिटोरियस, केशव महाराज, नूर अहमद, हेनरिक क्लासेन, जॉन-जॉन स्मट्स, वियान मुल्डर, जूनियर डाला, ब्राइस पार्सन्स, मैथ्यू ब्रीट्जके, जेसन स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस।

जोबर्ग सुपर किंग्स: फाफ डु प्लेसिस, मोइन अली, जॉनी बेयरस्टो, महेश थीक्षाना, डेवोन कॉनवे, गेराल्ड कोएत्जी, डेविड विसे, लेउस डु प्लॉय, लिजाद विलियम्स, नांद्रे बर्गर, डोनावोन फरेरा, इमरान ताहिर, सिबोनेलो मखान्या, तबरेज शम्सी।

एमआई केप टाउन: राशिद खान, बेन स्टोक्स, कैगिसो रबाडा, ट्रेंट बाउल्ट, अजमातुल्लाह उमरजई, डेवाल्ड ब्रेविस, ryan रिकेलटन, जॉर्ज लिंडे, नुवान तुषारा, कॉनर एस्टरहुइजन, डेलानो पोटगीटर, रासी वान डेर डुसेन, थॉमस काबर, क्रिस बेंजामिन।

प्रिटोरिया कैपिटल्स: एनरिक नोर्खिया, जिमी नीशम, विल जैक्स, रहमानुल्लाह गुरबाज, विल स्मीड, मिगेल प्रिटोरियस, रिले रोसौव, ईथन बॉश, वेन पार्नेल, सेनुरन मुथुसामी, काइल वेरिन, डेरिन डुपाविलॉन, स्टीव स्टोक, तियान वान वुरेन।

पार्ल रॉयल्स: डेविड मिलर, मुजीब उर-रहमान, सैम हैन, जो रूट, दिनेश कार्तिक, क्वेना मफाका, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, ब्योर्न फोर्टुइन, लुंगी एनगिडी, मिशेल वान ब्यूरेन, कीथ डडगिन, नकाबा पीटर, एंडिले फेहलुकवायो, कोडी यूसुफ, जॉन टर्नर, दयान गैलीम, जैकब बेथेल।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप: एडन मार्करम,जैक क्रॉली, रूलोफ वान डेर मेरवे, लियाम डॉसन, ओटनील बार्टमैन, मार्को जानसन, बेयर्स स्वानपेल, कालेब सेलेका, ट्रिस्टन स्टब्स, जॉर्डन हरमन, पैट्रिक क्रूगर, क्रेग ओवरटन, टॉम एबेल, साइमन हार्मर, एंडिले सिमलेन, डेविड बेडिंगम।

आईसीसी रैंकिंग पर उठे सवाल

» पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी ने जमकर की खिंचाई

करांची,16 अगस्त 2024। आईसीसी की ओर से हर सप्ताह रैंकिंग जारी की जाती है। जो मुकाबले हुए होते हैं, उनके प्रदर्शन के आधार पर आईसीसी की रैंकिंग में फेरबदल होता रहता है। हालांकि इसे बनाने का फार्मूला क्या है, ये अभी तक नहीं पता चल पाया है। इसके बाद भी इस पर काफी फोकस रहता है। इस बीच वनडे की रैंकिंग जारी की गई है, उसमें पाकिस्तान के बाबर आजम नंबर एक की कुर्सी पर काबिज हैं। अब पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी बासित अली ने इस रैंकिंग पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने सवाल पूछा है कि बाबर आजम ने अपना आखिरी वनडे मुकाबले पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप में खेला था, लेकिन इसके बाद भी वे नंबर एक बल्लेबाज कैसे बने हुए हैं।

मोहम्मद रिजवान और फखर जमां का भी नाम टॉप 10 में नहीं

बासित अली ने कहा कि वनडे विश्व कप 2023 में न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र, साउथ अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक, ट्रेविस हेड और विराट कोहली जैसे बल्लेबाजों ने शतक लगाए। बाबर आजम ने अपना पिछला वनडे शतक एशिया कप में नेपाल के खिलाफ लगाया था, लेकिन इसके बाद भी वे अब तक नंबर एक कैसे बने हुए हैं। वनडे विश्व कप में पाकिस्तान के लिए मोहम्मद रिजवान और फखर जमान ने एक-एक शतक लगाया। लेकिन वे कहीं भी नजर नहीं आ रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में खेली गई वनडे सीरीज में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। केवल रोहित शर्मा ही ऐसे बल्लेबाज रहे, जो अच्छे ढंग से रन बनाने में कामयाब रहे। उन्हें इसका फायदा भी मिला और वे एक स्थान की छलांग के साथ नंबर दो पर पहुंच गए हैं। लेकिन बाबर आजम का लगातार फ्लॉप होने के बाद भी नंबर एक पर बने रहना हर किसी की समझ से परे है।

विनेश फोगाट मर सकती थी...

» कोच का हैरान करने वाला खुलासा...

» बताई खौफनाक रात की कहानी...

नई दिल्ली,16 अगस्त 2024। विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 50 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया रचा, लेकिन 29 वर्षीय पहलवान को फाइनल की सुबह अयोग्य घोषित कर दिया गया। ओलंपिक रजत पदक हासिल करने की उनकी उम्मीदें बुधवार को तब धराशायी हो गईं, जब कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) ने फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ फोगाट की अपील को खारिज कर दी। पेरिस खेलों में विनेश फोगट के कोच वोलर अकोस ने सोशल मीडिया पर इस भारतीय पहलवान के साथ पर्दे के पीछे हुई बदसलूकी का खुलासा किया।

हंगरी कोच ने हालांकि फेसबुक पोस्ट को बाद में पता नहीं क्यों हटा दिया। अकोस ने लिखा- सेमीफाइनल के बाद 2.7 किलोग्राम अतिरिक्त वजन बचा था कोई विकल्प नहीं बचा था। आधी रात से सुबह 5:30 बजे तक उसने अलग-अलग कार्डियो मशीनों पर लगातार मेहनत की। सिर्फ दो-तीन मिनट का आराम किया था। एक बार तो वह गिर गई, लेकिन किसी तरह हमने उसे उठाया और उसने सौना में एक घंटा बिताया। मैं जानबूझकर मामले को नाटकीय अंदाज में नहीं लिख रहा, लेकिन मुझे केवल यह सोचना याद है कि वह मर सकती है। उन्होंने आगे लिखा- उस रात अस्पताल से लौटते समय हमारी एक दिलचस्प बातचीत हुई। विनेश फोगट ने कहा- कोच, दुखी मत हो, क्योंकि आपने मुझे बताया था कि अगर मैं खुद को किसी भी मुश्किल स्थिति में पाती हूं और अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है तो मुझे यह सोचना चाहिए कि मैंने दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला पहलवान (जापान की यूई सुसाकी) को हरा दिया है। मैंने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया। मैंने साबित कर दिया कि मैं दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पहलवानों में से एक हूं। हमने साबित कर दिया है कि गेमप्लान काम करते हैं। मेडल नहीं मिलना, प्रदर्शन को नहीं छीना जा सकता है।

इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, उन्होंने लिखा- विनेश ने साक्षी और बजरंग से अनुरोध किया था कि वे अपनी मेहनत से अर्जित ओलंपिक पदक नदी में न डालें। उसने उनसे विनती की कि वे उन्हें अपने पास रखें, क्योंकि वे विशेष थे। लेकिन उन्होंने उसे समझाया कि यात्रा महत्वपूर्ण थी और उनका प्रदर्शन पदकों से परिभाषित नहीं था। उन्होंने कहा- हमें अभी भी इस बात पर गर्व होगा कि हमारा पेशेवर शेड्यूल और मेहनत दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला पहलवान को हराने और इतिहास में पहली बार एक भारतीय महिला पहलवान को ओलंपिक फाइनल में ले जाने में सक्षम हो सका।

ईशान किशन ने मचाई तबाही

नई दिल्ली,16 अगस्त 2024। झारखंड के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट में शतक लगाकर अपनी दमदार वापसी की है। मध्य प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में झारखंड के कप्तान ईशान किशन ने तूफानी अंदाज में शतकीय पारी खेली। ईशान 114 रन बनाकर आउट हुए। ईशान ने अपना शतक सिर्फ 86 गेंद में पूरा कर लिया। ईशान ने अपने आईकॉनिक अंदाज में सिक्स लगाकर अपनी सेंचुरी को पूरी की। लंबे समय बाद घरेलू क्रिकेट में झारखंड के लिए खेल रहे ईशान अब इस शतकीय पारी से टीम इंडिया में अपनी दावेदारी को पेश करेंगे। घरेलू क्रिकेट में नहीं खेलने के कारण ही ईशान किशन को टीम इंडिया से बाहर होना पड़ा था और उन्होंने अपना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी गंवाया था, लेकिन अब उन्होंने अपने फैसले को बदलकर झारखंड के लिए खेलने का निर्णय लिया है। हालांकि, ईशान किशन के लिए टीम इंडिया में वापसी करना आसान नहीं होगा। ऐसे में घरेलू स्तर उन्हें लगातार रन बनाने होंगे।

मोहम्मद शमी ने बताया कब होगी टीम इंडिया में उनकी वापसी

नई दिल्ली,16 अगस्त 2024। सर्जरी के बाद पूरी तरह से ठीक हो चुके मोहम्मद शमी ने लगभग तीन हफ्ते पहले इंस्टाग्राम पर लगातार दो पोस्ट किए थे, जिनमें से एक का कैप्शन था, गेंद हाथ में और दिल में जुनून, खेल को पलटने के लिए तैयार।% शमी के इस पोस्ट से उम्मीद जगी कि वह जल्द ही मैदान पर वापसी करेंगे। आखिरकार इंतजार भी काफी लंबा हो गया है। टीम इंडिया के प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक शमी पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप के फाइनल के बाद से ब्लू जर्सी में नहीं देखा गया है। उन्हें एड़ी चोट की शिकायत थी जिसके बाद उनका सर्जरी किया गया। हालांकि, ठीक होने के बाद जब दलीप ट्रॉफी की चारों टीमों में शमी का नाम नहीं आया तो उनकी वापसी पर सवाल उठ खड़े हुए।

कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और स्टार ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन को छोड़कर, अन्य सभी प्रमुख भारतीय क्रिकेटरों को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए चुना गया है। दलीप ट्रॉफी के साथ ही भारत को बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसके बाग न्यूजीलैंड के साथ तीन और टेस्ट होंगे।

बीसीसीआई ने साफ तौर से यह कहा है कि किसी भी खिलाड़ी को अगर टीम इंडिया में वापसी करना है तो उसे पहले घरेलू क्रिकेट खेलना होगा, लेकिन शमी को दलीप ट्रॉफी के किसी भी टीम में नहीं चुना गया है। इससे पहले उम्मीद थी कि शमी बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं। शमी को लेकर जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत के रवाना होने से पहले अगरकर ने कहा था कि पहला टेस्ट 19 सितंबर को है मुझे नहीं पता कि यह उनकी रिकवरी का समय है या नहीं, इस बारे में एनसीए के लोगों से पूछना होगा।

मुझे कोई उम्मीद नहीं,इंडिया/बांग्लादेश सीरीज से पहले सिलेक्शन पर बोला युवा बल्लेबाज

नई दिल्ली,16 अगस्त 2024। भारतीय विकेटकीपर सरफराज खान इस साल की शुरुआत में टीम इंडिया के लिए डेब्यू करने में कामयाब रहे थे। पिछले कई सालों से टीम इंडिया का दरवाजा खटखटाने के बाद सरफराज का सपना इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पूरा हुआ था। सरफराज ने भी इस मौके को जाने नहीं दिया और पहले ही मैच में अर्धशतक ठोक कमाल किया। इस सीरीज में उन्होंने 5 पारियों में 3 अर्धशतक के दम पर 200 रन बनाए। हालांकि इस सीरीज के बाद से सरफराज ने कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है लेकिन अब वह तमिलनाडु में बुची बाबू टूर्नामेंट में मुंबई की अगुआई कर रहे हैं। बुची बाबू टूर्नामेंट के बाद दुलीप ट्रॉफी खेली जाएगी, जो खिलाड़ियों के लिए बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अपना दावा पेश करने का एक बेहतरीन मंच साबित होगा।सरफराज ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, मुझे कोई उम्मीद नहीं है, लेकिन अगर मौका मिलता है तो मैं तैयार रहूंगा। मैं हमेशा से यही करता आया हूं और मुझे इसमें बदलाव करने की कोई वजह नहीं दिखती। सरफराज ने लंबे इंतजार के बाद देश का प्रतिनिधित्व करने और भारतीय टीम में पहली बार बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर आने के अपने अनुभव को भी साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी मानसिकता क्या थी।

दिल्ली प्रीमियर लीग का होगा आज से आगाज

नई दिल्ली,16 अगस्त 2024। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) अपनी टी20 लीग दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) की शुरुआत 17 अगस्त से करेगी। इस टी20 लीग के पहले सीजन में पुरुष और महिला दोनों ही टीमें खेलते हुए नजर आने वाली हैं। इसमें 6 टीमें जहां मेंस होंगी तो वहीं चार महिला टीमें हिस्सा लेंगी। इस लीग के पहले सीजन में कुछ बड़े भारतीय स्टार खिलाड़ियों के भी जलवे देखने को मिलेंगे जिसमें ऋषभ पंत और इशांत शर्मा का नाम प्रमुख है। इन दोनों ही खिलाड़ी पुरानी दिल्ली 6 टीम का हिस्सा हैं। हालांकि ऋषभ पंत कुछ ही मैचों में हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे क्योंकि उन्हें रेड बॉल की तैयारी के लिए दिलीप ट्रॉफी में भी खेलना है जिसकी शुरुआत 6 सितंबर से होगी।

दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सीजन के होगा जियो सिनेमा पर प्रसारण

17 अगस्त से शुरू होने वाले दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सीजन के मैचों का सीधा प्रसारण जियो सिनेमा पर किया जाएगा। जिसमें टीवी पर इन मुकाबलों का प्रसारण स्पोर्ट्स 18 चैनल पर देखा जा सकता है तो वहीं मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा एप पर फैंस फ्री में देख सकेंगे। पहला मुकाबला सिर्फ रात 8:30 पर शुरू होगा जो पुरानी दिल्ली 6 और साउथ दिल्ली सुपरस्टार के बीच होगा। वहीं इसके बाद हर दिन लगभग 2 मुकाबले खेले जाएंगे जिसमें पहला मैच दोपहर 2 बजे शुरू होगा तो वहीं दूसरे मैच की शुरुआत शाम 7 बजे से होगी। डीपीएल के पहले सीजन में मेंस फॉर्मेट में कुल 33 मुकाबले खेले जाएंगे जिसमें 8 सितंबर को खिताबी मुकाबला भी होगा।

दिल्ली प्रीमियर लीग 2024 में हिस्सा लेनी वाली सभी 6 मेंस टीमें

सेंट्रल दिल्ली किंग्स:यश ढुल, प्रिंस चौधरी, हितेन दलाल, जोंटी सिद्धू, लक्ष्य थरेजा, योगेश शर्मा, मनी ग्रेवार, केशव डबास, शौर्य मलिक, सौरव डागर, आर्यन राणा, सिद्धांत बंसल, रजनीश दादर, सुमित कुमार, कौशल सुमन, दीपेश बालियान, विशांत भाटी, ध्रुव कौशिक, अजय गुलिया।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार:आयुष बडोनी, कुलदीप यादव, प्रियांश आर्य, सुमित माथुर, दिविज मेहरा, कुंवर बिधूड़ी, दिग्वेश राठी, तेजस्वी दहिया, राघव सिंह, सौरभ देसवाल, सार्थक रे, लक्ष्य सहरावत, तरूण बिष्ट, शुभम दुबे, विजन पांचाल, ध्रुव सिंह, मयंक गुप्ता, अंशुमन हुडा, अनिंदो नहाराय, दीपांशु गुलिया।

वेस्ट दिल्ली लायंस: रितिक शौकीन, नवदीप सैनी, देव लाकड़ा, दीपक पुनिया, शिवांक वशिष्ठ, अखिल चौधरी, आयुष दोसेजा, कृष यादव, अनमोल शर्मा, युगल सैनी, अंकित राजेश कुमार, विवेक यादव, आर्यन दलाल, मासाब आलम, एकांश डोबाल। शिवम गुप्ता, योगेश कुमार, सूर्यकांत चौहान, तिशांत डाबला, इब्राहिम अहमद मसूदी।

पूर्वी दिल्ली राइडर्स: अनुज रावत, सिमरजीत सिंह, हिम्मत सिंह, हिमांशु चौहान, हर्ष त्यागी, वैभव शर्मा, मयंक रावत, समर्थ सेठ, प्रणव पंत, सुजल सिंह, हार्दिक शर्मा, रौनक वाघेला, एग्रीम शर्मा, शांतनु यादव, भगवान सिंह, अंश चौधरी, सागर खत्री, शिवम कुमार त्रिपाठी, ऋषभ राणा, लक्ष्य सांगवान।

पुरानी दिल्ली 6: ऋषभ पंत, ललित यादव, इशांत शर्मा, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, मयंक गुसाईं, सनत सांगवान, अंकित भड़ाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित छिक्कारा, अर्नव बुग्गा, वंश बेदी, मंजीत, यश भारद्वाज, संभव शर्मा, लक्ष्मण।

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स: हर्षित राणा, सुयश शर्मा, प्रांशु विजयरन, वैभव कांडपाल, क्षितिज शर्मा, वैभव रावल, यश डबास, प्रणव राजवंशी, मनन भारद्वाज, यश भाटिया, यतीश सिंह, अमन भारती, यजस शर्मा, सार्थक रंजन, अनिरुद्ध चौधरी, शिवम , यथार्थ सिंह, सिद्धार्थ सोलंकी, ध्रुव चौहान, युवराज राठी।

श्रीदेवी के प्यार में दीवाना था दक्षिण भारत का ये सुपरस्टार

एक साथ की थीं 19 फिल्में, एक अपशकुन के बाद नहीं किया इजहार-ए-मोहब्बत

श्रीदेवी का फिल्म करियर जिस मुकाम पर रहा है, उनके अफेयर्स के चर्चे भी उतने ही आम रहे हैं। उन्हें चाहने वालों की कोई कमी नहीं थी,फिर चाहें बात फिल्मी दुनिया की हो या फिर फिल्मी दुनिया से बाहर की. उनके दीवानों की कोई कमी नहीं थी। श्रीदेवी केचाहने वाले बॉलीवुड में भी थे और टॉलीवुड यानी कि साउथ इंडियन फिल्म इंड्स्ट्री में भी थे। श्रीदेवी ने बहुत से फिल्म स्टार्स के साथ काम किया है. कुछ फिल्म स्टार्स तो ऐसे भी रहे,जिनके साथ श्रीदेवी ने एक दो नहीं कई फिल्में की हैं. ऐसे ही एक फिल्म स्टार थे जो उनसे उम्र में थोड़े ज्यादा बड़े थे लेकिन श्रीदेवी के दीवाने हो गए थे।

ये फिल्म स्टार हैं रजनीकांत,जिन्हें अब लोग फिल्मी दुनिया का थलाइवा भी कहने लगे हैं। श्रीदेवी और रजनीकांत ने एक साथ करीब 19 फिल्मों में काम किया है। श्रीदेवी जब महज 13 साल की थीं, तब ही वो रजनीकांत की मां का किरदार अदा कर चुकी थीं। फिल्म मूंदरू मुदिचू में रजनीकांत श्रीदेवी से उम्र में 13 साल बड़े थे, फिर भी उन्हें श्रीदेवी से प्यार हो गया था। उम्र का फासला ज्यादा होने की वजह से कई बार रजनीकांत उनके लिए बहुत प्रोटेक्टिव भी हो जाते थे। दोनों में दोस्ती भी बहुत अच्छी हो चुकी थी, जिसे रजनीकांत जल्द से जल्द शादी में भी बदलना चाहते थे।

रजनीकांत के साथी के बालचंदर के अनुसार जब श्रीदेवी 16 साल की ही थीं तब ही रजनीकांत ने उनसे शादी का फैसला कर लिया था। वो इसके लिए उनकी मां से बात करने को भी तैयार थे। इसके लिए उन्होंने श्रीदेवी के घर होने वाले गृह प्रवेश का मौका चुना था। रजनीकांत और के बालचंदर गृह प्रवेश के मौके पर श्रीदेवी के घर गए भी, लेकिन उसी समय बिजली गुल हो गई। इसे रजनीकांत ने अपशकुन माना और फिर बिना बात किए ही वापस लौट आए।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपना पुराना नाम प्रदीप अग्रवाल पिता मुरारीलाल अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम प्रदीप कुमार अग्रवाल पिता मुरारीलाल अग्रवाल मकान नम्बर 249, महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड क्रमांक 09 दत्ता कालोनी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 पिनकोड 497001 रख लिया हूं अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम प्रदीप कुमार अग्रवाल पिता मुरारी लाल अग्रवाल से जाना-पहचाना जाए।

शपथकर्ता
प्रदीप कुमार अग्रवाल,मकान नम्बर 249
दत्ता कालोनी अम्बिकापुर जिला सरगुजा
छ0ग0पिनकोड 497001

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक आकाश खेस्स,आ0 सूरज खेस्स निवासी गांधीनगर थाना गांधीनगर अ0पुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के पिता सूरज खेस्स आ0 जयनाथ की दिनांक 06/11/2021 को स्थान डेन्ट क्लिनिक केयर हॉस्पिटल अम्बिकापुर में हुई है।
आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस के भीतर तक न्यायाल में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 19/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर
सरगुजा (छ0ग0)
सील

न्यायालय तहसीलदार रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज(छ0ग0)

क्रमांक/1446/वाचक/तह./2024
रामानुजगंज,दिनांक -14/08/2024

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता-ग्राम रामानुजगंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक इमतियाज खान आ0 इसराइल खान निवासी ग्राम रामानुजगंज थाना व तहसील रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) के द्वारा के पुत्री उजमा के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
यदि उक्त जांच बिन्दु में वर्णित तथ्य के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/ अथवा आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक-30/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया किया गया।
आज दिनांक 14/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
रामानुजगंज-बलरामपुर
रा-गंज(छ0ग0)
सील

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202407020700154

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व
सन्:-2023-2024
पचपेड़ी(प.ह.न.00012)
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-राधा पिता गणेशराम विरेन्द्र सोनम आ.ईश्वरी
अनावेदक पक्षकार-राधा पिता गणेशराम विरेन्द्र सोनम आ.ईश्वरी

ईश्तहार

आवेदक विरेन्द्र कश्यप आ0 ईश्वरी व अन्य, निवासी ब्रम्हपारा,अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम पचपेड़ी स्थित खसरा नंबर 189,191,192,193,194,195 रकबा क्रमशः 0.360, 0.032, 0.328, 0.065, 0.210, 0.206 हे0 कुल खसरा नंबर 6 कुल रकबा 1.201 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/2 अंश में बंटवारा किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21.08.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/07/2024 को जारी किया जाता है।

उमेश्वर सिंह बैज
तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा(छ0ग0)
सील

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)